अस्मिन् प्रश्नपत्रे **35** प्रश्नाः एवं **8** मुद्रित पृष्ठाः सन्ति ।

इस प्रश्न–पत्र में **35** प्रश्न एवं **8** मुद्रित पृष्ठ हैं ।

अनुक्रमाङ्कः
रोल नं.

BHARATIYA DARSHAN
भारतीयदर्शनम्
(247)

गूढसंख्या
कूट सं. **64/S/O**

SET A

परीक्षादिवसः दिनाङ्कश्च
(तिथि व समय – परीक्षा दिवस) ....

निरीक्षकयोः हस्ताक्षरम्
(निरीक्षक के हस्ताक्षर)

1. ....

2. ....

सामान्या निर्देशाः –

1. अनुक्रमाङ्कः प्रश्नपत्रस्य प्रथमपृष्ठे नूनं लेख्यः ।
2. निरीक्ष्यताम् यत् प्रश्नपत्रस्य पृष्ठसंख्या प्रश्नानां संख्या च प्रथमपृष्ठस्य प्रारम्भे प्रदत्तसंख्या समाना न वा । प्रश्नक्रमः सम्यग् न वा ।
3. वस्तुनिष्ठप्रश्नानाम् (क), (ख), (ग), (घ) एषु विकल्पेषु युक्तम् उत्तरं चित्वा उत्तरपत्रे लेख्यम् ।
4. समेषां प्रश्नानाम् उत्तराणि निर्धारितसमये एव लेख्यानि ।
5. उत्तरपत्रे आत्मपरिचयात्मकं लेखनम् अथवा निर्दिष्टस्थानं विहाय अन्यत्र क्वापि अनुक्रमाङ्कलेखनं सर्वथा वर्जितमस्ति ।
6. स्वस्य उत्तरपत्रे प्रश्नपत्रस्य गूढसंख्या नूनं लेख्या ।
7. समेषां प्रश्नानाम् उत्तराणि संस्कृतभाषया एव लेख्यानि ।

Unnati Educations
9899436384, 9654279279

सामान्य निर्देश –

1. रोल नं. प्रश्न–पत्र के प्रथम पृष्ठ में लिखें ।
2. प्रश्न–पत्र की पृष्ठ संख्या एवं प्रथम पृष्ठ में दिये गये प्रश्नों की संख्या और प्रश्नों के क्रम ठीक हैं या नहीं इसका निरीक्षण करें ।
3. वस्तुनिष्ठ प्रश्नों का उचित विकल्प (क, ख, ग, घ) चुनकर उत्तर–पत्र में लिखें ।
4. संक्षेप में दिये गये प्रश्नों के उत्तर निर्धारित समय में ही लिखें ।
5. उत्तर–पत्र में आत्मपरिचय न दे तथा निर्दिष्ट किये गये स्थान में ही अनुक्रमाङ्क (रोल नं.) लिखें ।
6. अपने उत्तर–पत्र में प्रश्न–पत्र का कोड अवश्य लिखें ।
7. संक्षिप्त प्रश्नों के उत्तर केवल संस्कृत भाषा में ही लिखें ।

Unnati Educations
9899436384, 9654279279

BHARATIYA DARSHAN

भारतीयदर्शनम्

(247)

होरात्रयम् : तीन घंटे] **[पूर्णाङ्काः : – 100**

परीक्षा का समय : तीन घंटे] **[पूर्णाङ्क : – 100**

निर्देशाः (1) अस्मिन् प्रश्नपत्रे [A] भागे 10, [B] भागे 10, [C] भागे 10, [D] भागे 5 इति आहत्य **35** प्रश्नाः सन्ति ।

(2) प्रश्नस्य दक्षिणे पार्श्वे संख्यासु (अङ्काः × प्रश्नाः = पूर्णाङ्काः) इति एवम् अङ्कान् निर्दिशति ।

(3) **सर्वे** प्रश्नाः अनिवार्याः ।

निर्देश : (1) इस प्रश्न-पत्र में (अ) भाग में 10, (ब) भाग में 10, (स) भाग में 10 व (द) भाग में 5 इस प्रकार कुल मिलाकर **35** प्रश्न हैं ।

(2) प्रश्न की दाहिनी ओर की संख्याओं में (अंक × प्रश्न = पूर्णाङ्क) ऐसे अंकों का निर्देश है ।

(3) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं ।

[A] दशानां युक्तं विकल्पं चिनुत । **1 × 10 = 10**

दसों के उचित विकल्प चुनिए :

1. अद्वैतमते जगतः सत्ता का ।

(क) पारमार्थिकी (ख) व्यावहारिकी

(ग) प्रातिभासिकी (घ) एत्रितयभिन्ना

अद्वैतमत में संसार की सत्ता क्या है ?

(क) परमार्थिक (ख) व्यवहारिक

(ग) प्रतिभासिक (घ) इन तीनों से अलग

2. सर्वे प्राणिनः किम् नेच्छन्ति ।

(क) इष्टम् (ख) अनिष्टम्

(ग) उभयम् (घ) उभयभिन्नम्

सभी प्राणी क्या नहीं चाहते ?

(क) इष्ट (ख) अनिष्ट

(ग) दोनों (घ) दोनों से अलग

Unnati Educations
9899436384, 9654279279

3. परमपुरुषार्थः कः ।

(क) धर्मः (ख) कामः

(ग) मोक्षः (घ) अर्थः

परम पुरुषार्थ क्या है ?

(क) धर्म (ख) काम

(ग) मोक्ष (घ) अर्थ

4. समष्टिस्थूलशरीरोपहितं चैतन्यं किम् ।

(क) प्राज्ञः (ख) तैजसः

(ग) विराट् (घ) हिरण्यगर्भः

सारे स्थूल शरीर के उपहित चैतन्य क्या है ?

(क) बुद्धिमत् (ख) तेजस

(ग) विराट् (घ) हिरण्यगर्भ

5. गुरूपदिष्टवेदान्तवाक्येषु कस्य श्रद्धा भवति ।

(क) यस्य विश्वासः (ख) यस्य संशयः

(ग) यस्य व्युत्पत्तिः (घ) यस्य ज्ञानं

गुरु के द्वारा उपदेश दिये गये वेदान्त वाक्यों में किसकी श्रद्धा होती है ?

(क) जिसका विश्वास है । (ख) जिसको संदेह है ।

(ग) जिसका पूर्णज्ञान है । (घ) जिसका ज्ञान है ।

6. परापराधप्राप्तौ अविक्रिया भवति का ।

(क) शान्तिः (ख) क्षान्तिः

(ग) अहिंसा (घ) भक्तिः

परापराध प्राप्ति में अविक्रिया क्या होती है ?

(क) शान्ति (ख) क्षान्ति

(ग) अहिंसा (घ) भक्ति

Unnati Educations
9899436384, 9654279279

7. विवरणकारमतानुयायिनां वादः कः ।

(क) अवच्छेदवादः (ख) प्रतिबिम्बवादः

(ग) आभासवादः (घ) सत्यवादः

विवरणकार मत का अनुकरण करने वालों के विचार में वाद क्या है ?

(क) अवच्छेदवाद (ख) प्रतिबिम्बवाद

(ग) आभासवाद (घ) सत्यवाद

8. देहस्य रक्षणं मोक्षं प्रति साधनमिति कस्य वादः ।

(क) बौद्धस्य (ख) जैनस्य

(ग) चार्वाकस्य (घ) मीमांसकस्य

देह की रक्षा मोक्ष का साधन है ऐसा किसका मत है ?

(क) बौद्ध का (ख) जैन का

(ग) चार्वाक का (घ) मीमांसक का

9. माध्यमिकमते सत्यं किम् ।

(क) ईश्वरः (ख) जीवः

(ग) विज्ञानं (घ) शून्यम्

माध्यमिकों के विचार में सत्य क्या है ?

(क) ईश्वर (ख) जीव

(ग) विज्ञान (घ) शून्य

10. महावीराभिमतदर्शनस्य प्रवर्तकः कः ।

(क) ऋषभदेवः (ख) महावीरः

(ग) पार्श्वनाथः (घ) अजनाथः

महावीर द्वारा अभिमत दर्शन के प्रवर्तक कौन हैं ?

(क) ऋषभदेव (ख) महावीर

(ग) पार्श्वनाथ (घ) अजनाथ

Unnati Educations
9899436384, 9654279279

[B] दशानां यथानिर्देशम् उत्तराणि लिखत । **2 × 10 = 20**

दसों के यथानिर्दिष्ट उत्तर लिखिए :

11. ब्राह्मणस्य कति विभागाः । के च ते । **1 + 1**

    ब्राह्मण ग्रन्थों के कितने विभाग हैं और वे कौन कौन से हैं ?

12. कर्मयोगस्य किं फलम् । भक्तियोगस्य किं फलम् । **1 + 1**

    कर्मयोग का क्या फल है ? भक्तियोग का क्या फल है ?

13. मीमांसादर्शने प्रमाणानि कति । कानि तानि । **1 + 1**

    मीमांसा दर्शन में कितने प्रमाण हैं ? वे कौन–कौन से हैं ?

14. द्वैताद्वैतसिद्धान्ते स्वतन्त्रं तत्त्वं किम् । **1 + 1**

    द्वैताद्वैत सिद्धान्त में स्वतन्त्र तत्त्व क्या है ?

15. आत्मा वा अरे द्रष्टव्यः इति वाक्यं कुत्रास्ति । स विजिज्ञासितव्य इति वाक्यं कुत्रास्ति । **1 + 1**

    आत्मा द्रव्यव्य है ऐसा वाक्य कहाँ है ? वह जानने योग्य है यह वाक्य कहाँ है ?

16. वैशेषिकमते द्रव्याणि कति । कानि च तानि । **1 + 1**

    वैशेषिक मत में कितने द्रव्य हैं ? वे कौन–कौन से हैं ?

17. अधिकरणे कति अवयवाः । के च ते । **1 + 1**

    अधिकरण में कितने अवयव हैं ? वे कौन से हैं ?

18. उपवेदाङ्गानि कति । कानि च तानि । **1 + 1**

    उपवेद के कितने अंग हैं ? वे कौन–कौन से हैं ?

19. योगोक्ताः चित्तवृत्तयः कति । ताः काः । **1 + 1**

    योग में कहे गये चित्तवृत्तियाँ कितनी हैं ? वे कौन–कौन सी हैं ?

20. अज्ञानस्य लक्षणं किम् । अज्ञाने कति गुणाः सन्ति । **1 + 1**

    अज्ञान का क्या लक्षण है ? अज्ञान के कितने गुण हैं ?

Unnati Educations
9899436384, 9654279279

[C] दश अनतिदीर्घोत्तरैः समाधत्त । **4 × 10 = 40**

दस के लघु उत्तर दीजिए :

21. द्वैतमतानुसारं प्रमाणविचारं कुरुत । अथवा द्वैतमतोक्तं जीवस्वरूपमुपवर्णयत ।

    द्वैतमत के अनुसार प्रमाण विचार कीजिए अथवा द्वैतमत में कहे गये जीव स्वरूप का वर्णन कीजिए ।

22. पशुपतिपाशस्वरूपं विवृणुत । अथवा श्रीकण्ठाभिमतं ब्रह्मस्वरूपं वर्णयत ।

    पशुपति के पाश के स्वरूप का विवरण कीजिए अथवा श्रीकण्ठ के द्वारा अभिमत ब्रह्म स्वरूप का वर्णन कीजिए ।

23. भगवद्गीतोक्तं कर्मयोगं विवृणुत । अथवा ध्यानयोगं विचारयत ।

    भगवत् गीता के कर्मयोग का वर्णन कीजिए अथवा ध्यानयोग का विचार कीजिए ।

24. दर्शनस्य आवश्यकताम् आलोचयत । अथवा दर्शनस्य व्यापकताम् आलोचयत ।

    दर्शन की आवश्यकता पर आलोचना कीजिए अथवा दर्शन की व्यापकता पर विचार कीजिए ।

25. बौद्धदर्शनस्य मोक्षस्वरूपं वर्णयत । अथवा बौद्धानाम् आचारविचारं कुरुत ।

    बौद्ध दर्शन के मोक्ष स्वरूप का वर्णन कीजिए अथवा बौद्ध दर्शन के आचार-विचार पर प्रकाश डालिए ।

26. मीमांसादिशा धर्मस्वरूपं वर्णयत । अथवा मीमांसोक्तां भावनां विचारयत ।

    मीमांसा दिशा के धर्म स्वरूप का वर्णन कीजिए अथवा मीमांसा में कही गयी भावना पर विचार व्यक्त कीजिए ।

27. विशिष्टाद्वैतमनुसृत्य चित्तत्वविचारः कः । अथवा तन्मते अचित्तत्वेश्वरयोस्स्वरूपं किमिति विचारयत ।

    विशिष्टा द्वैत का अनुसरण करते हुए चित्तत्व विचार क्या है ? या उस मत के अचित्तत्व ईश्वर के स्वरूप का विचार कीजिए ।

28. अध्यारोपं स्पष्टयत । अथवा अपवादं स्पष्टयत ।

    अध्यारोप को स्पष्ट कीजिए या अपवाद को स्पष्ट कीजिए ।

29. एकजीववादं प्रतिपादयत । अथवा अनेकजीववादं प्रतिपादयत ।

    एक जीववाद को प्रतिपादित कीजिए या अनेक जीववाद को प्रतिपादित कीजिए ।

30. सगुणब्रह्मस्वरूपं पर्यालोचयत । अथवा निर्गुणब्रह्मस्वरूपं पर्यालोयचयत ।

    सगुणब्रह्म के स्वरूप की पर्यालोचना कीजिए अथवा निर्गुण ब्रह्म के स्वरूप का विवरण कीजिए ।

Unnati Educations
9899436384, 9654279279

[D] पञ्च दीर्घोत्तरैः समाधेयाः । **6 × 5 = 30**

पाँच के दीर्घ उत्तर दें :

31. योगमतानुसारं अष्टाङ्गानि विचारयत । अथवा साङ्ख्यदर्शनोक्तं सृष्टिक्रमं वर्णयत ।

    योगमत के अनुसार आठ अंगों का विचार कीजिए या साङ्ख्य दर्शन के सृष्टि क्रम का वर्णन कीजिए ।

32. अद्वैतवेदान्तोक्तम् अविद्यास्वरूपं सलक्षणं समर्थयत । अथवा शरीरत्रयविचारं कुरुत ।

    अद्वैतवेदान्त के द्वारा कहे गये अविद्या के स्वरूप की लक्षण सहित विवेचना कीजिए या शरीरत्रय (तीन शरीर) का विचार कीजिए ।

33. पुरुषार्थान् सविस्तरं विवेचयत । अथवा दर्शनानां व्यावहारयोग्यत्वम् अधिकारिभेदेन दर्शनप्रभेदश्चालोचयत ।

    पुरुषार्थ का विस्तारपूर्वक विवेचन कीजिए । अथवा दर्शन के व्यवहार योग्य अधिकार के लिए दर्शन के भेदों की आलोचना कीजिए ।

34. बौद्धदर्शनस्य शून्यवादिनां सत्यस्य समीक्षां विवृणुत । अथवा जैनदर्शनस्य तत्त्वमीमांसां उल्लिखत ।

    बौद्ध दर्शन के शून्यवादियों के सत्य की समीक्षा का विवरण कीजिए या जैन धर्म की तत्त्व मीमांसा का उल्लेख करें ।

35. भक्तियोगमधिकृत्य प्रबन्धमारचयत । अथवा कर्मयोगमधिकृत्य प्रबन्धमारचयत ।

    भक्तियोग पर आधारित प्रबन्ध की रचना करें या कर्मयोग पर आधारित प्रबन्ध की रचना करें ।

Unnati Educations
9899436384, 9654279279